Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
April to June 2025, E-Journal, Vol. I, Issue L (50), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय डूंगरपुर में अध्ययनरत बालिकाओं के आंकाक्षा स्तर का अध्ययन

महेश कुन्तल* डॉ. मिनेश भट्ट**

*** शोधार्थी (शिक्षा) जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय (डीम्ड-टू-बी विश्वविद्यालय), उदयपुर (राज.) भारत**
**** शोध मार्गदर्शक (शिक्षा) जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय (डीम्ड-टू-बी विश्वविद्यालय), उदयपुर (राज.) भारत**

प्रस्तावना – बालिका शिक्षा भारत सरकार एवं स्थानीय सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। समाज के वास्तविक विकास एवं प्रगतिशील समाज में महिलाओं को शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ावा दिया जा रहा है। समाज में वंचित वर्ग की बालिकाओं की शिक्षा के क्षेत्र में कम महत्व दिया जाता है। जबकि वंचित वर्ग के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाएं संचालित है। परन्तु इससे वह लाभान्वित नहीं हो पा रहे हैं।

भारत सरकार द्वारा गरीबी उन्मूलन, सामाजिक उत्थान, शिक्षा एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करने हेतु पंचवर्षीय योजना में ग्रामीण व शहरी वर्गो के लिए अनेक योजनाएं बनाई जा रही है। स्वतंत्रता प्राप्ति के इतने वर्षो बाद भी हमारा देश आर्थिक, सामाजिक शैक्षिक एवं अन्य दृष्टि से अभी तक पिछड़ा हुआ ही है। किसी भी राष्ट्र के छात्र, छात्राओं का शिक्षित होना आवश्यक है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद बड़ी द्रुतगति से शिक्षा का विकास हुआ। शिक्षा एक ऐसी गतिशील प्रक्रिया है जो बालक को देशकाल तथा परिस्थिति के अनुसार अग्रसर करती है।

शिक्षा व्यक्तिगत विकास के माध्यम से सामाजिक विकास कर मनुष्य को प्राणी बनाने में सहायता करती है।

हमारे संविधान में केन्द्र सरकार के शिक्षा सम्बन्धी दायित्वों तथा नीति मार्गदर्शन सिद्धान्तों में शिक्षा सम्बन्धी प्रावधान की धारा 45 में स्पष्ट किया गया है तथा आजादी के बाद शिक्षाविदों व राजनीतिज्ञों द्वारा यह संकल्पना की गई है कि पंचवर्षीय योजना के अन्त तक देश में शत-प्रतिशत बालक-बालिकाएं शिक्षा से लाभान्वित हो सकेंगे। किन्तु आजादी के कई वर्षो बाद भी यह सपना साकार नहीं हो सका। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् से लेकर पंचवर्षीय योजनाओं तथा नई शिक्षा नीति से लेकर संवैधानिक प्रावधानों में भी गुणवत्तापरक शिक्षा के सार्वभौमिकीकरण के कई प्रयास किये जा रहे हैं। इसके लिए कई योजनाएं जैसे शिक्षा लहर, शिक्षा कर्मी, लोकजुम्बिश, गुरूमित्र-योजना, सर्वशिक्षा अभियान जैसे योजना के माध्यम से गुणवत्तापरक प्राथमिक शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने के अवसर प्राप्त किये जा रहे हैं। वर्तमान समय में शिक्षा प्रक्रिया में बालिकाओं को अपने अधिकतम विकास करने के अवसर दिये जा रहे हैं। क्योंकि वह समाज का एक अंग है तथा समाज को प्रत्येक बालक से कुछ अपेक्षाएं हैं।

शिक्षा का लक्ष्य न केवल व्यक्तित्व विकास करना है। अपितु सामाजिक विकास करना भी इसका लक्ष्य है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए छात्रावास की स्थापना की जाती है। छात्रावास में बालक को समाजिक बनने के अवसर मिलते है।

भारत सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़े वर्ग की बालिकाओं के लिए सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में आवासीय उच्च प्राथमिक विद्यालय की स्थापना के लिए कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय योजना को लागू किया।

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय की स्थापना छात्राओं की शैक्षिक उन्नति के लिए केन्द्र सरकार द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत की गई। इन विद्यालय का मुख्य उद्देश्य वंचित बालिकाओं को आवास सहित सुविधा उपलब्ध कराके सर्वांगीण विकास करना है। वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए शोधार्थी के मस्तिष्क में निम्नलिखित प्रश्न उपजे जो इस प्रकार से है-

1. कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं की आकांक्षा क्या है?

शोधार्थी के मस्तिष्क में उभरने वाले उपरोक्त विचारों की संतुष्टि के लिए इस शोध विषय को करने की प्रेरणा मिली।

शोध परिकल्पना :

1. कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं की आकांक्षा स्तर में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

शोध अध्ययन क्षेत्र का परिसीमन :

1. प्रस्तुत शोध कार्य कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय तक सीमित रखा गया।
2. प्रस्तुत शोध राजस्थान राज्य के उदयपुर संभाग के उदयपुर, राजसमन्द, बांसवाड़ा एवं डूँगरपुर जिले में संचालित कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय तक सीमित रखा गया।
3. प्रस्तुत शोध कार्य कक्षा 10, 11, 12 में अध्ययनरत बालिकाओं तक सीमित रखा गया।

शोध का औचित्य : किसी समस्या का औचित्य उसके परिणामों का विस्तृत क्षेत्र में सार्थकता एवं उपयुक्तता के आधार पर निश्चित कर सकते हैं। अत: शोधकर्ता ने वर्तमान समय की समस्या पर शोध करने का निश्चय किया है। भारत में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने का सतत् प्रयास सरकार एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा किये जा रहे हैं। भारत सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़े वर्ग की बालिकाओं की शैक्षिक उन्नति के लिए

कस्तूरबा गॉधी बालिका आवासीय विद्यालय की स्थापना की गई। अत: शिक्षा का लक्ष्य न केवल व्यक्तित्व का विकास अपितु सामाजिक विकास करना भी है। कस्तूरबा गॉधी बालिका आवासीय विद्यालय में अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़े वर्ग की बालिकाओं की सांवेगिक परिपक्वता, समायोजन क्षमता एवं आकांक्षा के सम्बन्ध में अध्ययन करना शोधकर्ता की शोध की दृष्टि से औचित्य है।

पारिभाषिक शब्दावली :

1. **कस्तूरबा गाँधी विद्यालय–**सर्व शिक्षा अभियान के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं बी.पी.एल. परिवार की शिक्षा से वंचित बालिकाओं को इन विद्यालयों से जोड़ा गया है। जहाँ नि:शुल्क शिक्षा, आवास, भोजन, चिकित्सा सुविधा एवं उनके चहुंमुँखी विकास के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।
2. **आकांक्षा स्तर–**हम जहाँ है, वहाँ से उच्च स्तर प्राप्त करने की इच्छा ही जीवन का लक्ष्य, आकांक्षा स्तर निर्धारित करती है। अर्थात् आकांक्षा स्तर वह सीमा बताता है। जिस सीमा तक व्यक्ति अपने जीवन के उद्देश्यों को प्राप्त करना चाहता है।
3. **अध्ययनरत बालिकाएं–**प्रस्तुत शोध में अध्ययनरत बालिकाओं से आशय उन अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं बी.पी.एल. की छात्राओं से है जो कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय में 10, 11, 12वीं कक्षा में अध्ययनरत है।

शोध विधि : प्रस्तुत शोध अध्ययन में समस्या की प्रकृति को देखते हुए शोधार्थी द्वारा शोध में सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया।

शोध उपकरण : प्रस्तुत शोध कार्य में दत्तो के संकलन हेतु निम्नांकित शोध उपकरणों का उपयोग किया गया।

(1) आकांक्षा स्तर–डॉ.महेश भार्गव व डॉ. एम.ए. शाह द्वारा निर्मित मानकीकृत उपकरण आकांक्षा स्तर मापनी।

शोध का न्यादर्श : प्रस्तुत शोध में उदयपुर संभाग के उदयपुर, राजसमन्द, डूंगरपुर एवं बांसवाड़ा जिले से कुल 400 बालिकाओं (न्यादर्श) का चयन किया गया।

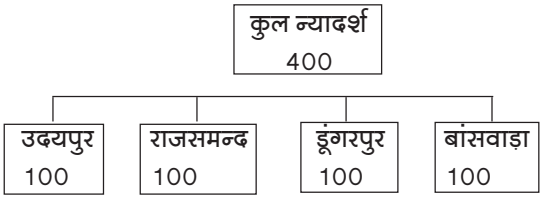

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी :प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा तथ्यों के विश्लेषण हेतु निम्नलिखित सांख्यिकी का उपयोग किया गया –

1. मध्यमान
2. प्रमाप विचलन
3. टी–परीक्षण

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत समग्र बालिकाओं के आंकाक्षा स्तर का पता लगाना।

सारणी संख्या 1: कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत समग्र बालिकाओं का प्रतिशतवार आंकाक्षा स्तर

क्र.	क्षेत्र	समूह	उदयपुर	राजसमन्द	डूंगरपुर	बांसवाड़ा
1.	आकांक्षा स्तर	उच्च आकांक्षा	70%	68%	65%	60%
		औसत आकांक्षा	25%	22%	20%	30%
		निम्न आकांक्षा	05%	10%	15%	10%

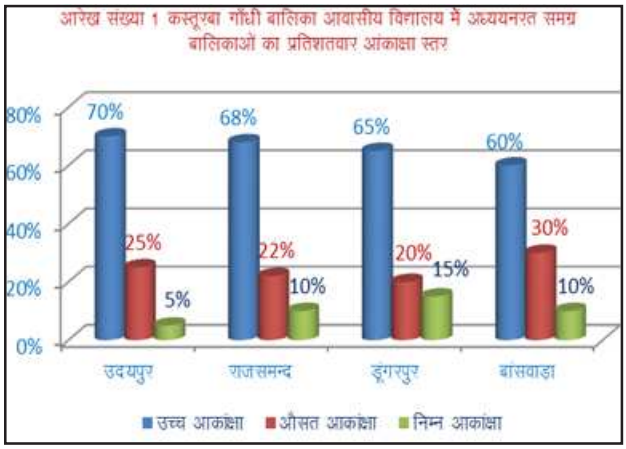

व्याख्या : उपर्यक्त सारणी एवं आरेख संख्या 1 से स्पष्ट होता है कि उच्च आकांक्षा स्तर रखने वाली बालिकाओं का प्रतिशत उदयपुर में 70 प्रतिशत, राजसमन्द में 68 प्रतिशत, डूंगरपुर में 65 प्रतिशत तथा बांसवाड़ा में 60 प्रतिशत पाया गया। इसी प्रकार औसत आकांक्षा स्तर रखने वाली बालिकाओं का प्रतिशत उदयपुर में 25 प्रतिशत, राजसमन्द में 22 प्रतिशत, डूंगरपुर में 20 प्रतिशत तथा बांसवाड़ा में 30 प्रतिशत पाया गया। इसी प्रकार निम्न आकांक्षा स्तर उदयपुर में 5 प्रतिशत, राजसमन्द में 10 प्रतिशत, डूंगरपुर में 15 प्रतिशत तथा बांसवाड़ा में 10 प्रतिशत पाया गया।

इससे पता चलता है कि कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय की बालिकाओं से निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में सबसे अधिक 70 प्रतिशत उदयपुर का रहा। औसत लक्ष्य को प्राप्त करने में सबसे अधिक बांसवाड़ा 30 प्रतिशत रहा है। इसी तरह निम्न आकांक्षा स्तर लक्ष्य को प्राप्त करने में सबसे सबसे कम उदयपुर रहा।

इससे निष्कर्ष निकलता है कि कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय की बालिकाओं से निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में अधिक प्रयास करती है। निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाली बालिकाओं की आकांक्षा स्तर की आवृति अधिक है।

1. कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय के आकांक्षा स्तर का विश्लेषण।
2. निर्धारित लक्ष्य या आंकाक्षा के प्रति इच्छा, तीव्रता का स्तर का पता लगाना, इस शोध का उद्देश्य है।
3. प्रत्येक व्यक्ति कोई भी कार्य करने से पूर्व अपने मस्तिष्क में एक लक्ष्य निर्धारित करता है तथा निश्चित अवधि में उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करता है। अगर निश्चित समयावधि में लक्ष्य को प्रापत कर लेता है तो वह प्रसन्न रहता है और आगे के लिए उससे भी ऊँचा लक्ष्य निर्धारित करता है। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं के आंकाक्षा स्तर का विश्लेषण करने का प्रयास किया जा रहा है।

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय उदयपुर में अध्ययनरत बालिकाओं के आंकाक्षा स्तर का पता लगाना।

सारणी संख्या 2 : कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय उदयपुर में अध्ययनरत बालिकाओं के आंकाक्षा स्तर

	N	लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक (G.D.S.)	उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक (A.D.S.)	लक्ष्य पहुंचने वाले प्रयास (N.T.R.S.)
उदयपुर		2.47	-1.52	5.25

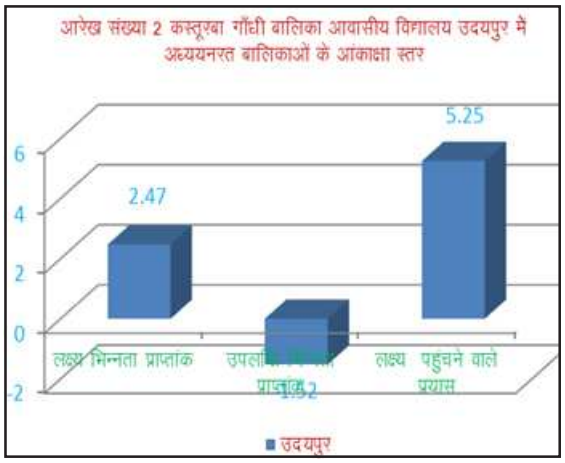

व्याख्या : उपर्युक्त सारणी एवं आरेख संख्या 2 के आधार पर कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय उदयपुर में अध्ययनरत बालिकाओं का भिन्नता प्राप्तांक 2.47 है। यह मान धनात्मक है। यह इस बात को निर्दिष्ट करता है बालिकाओं की आकांक्षाएं अपने पूर्व प्रयास से उच्च है। बालिकाएं कोई भी कार्य करने से पहले, अपना लक्ष्य निर्धारित करना पसंद करती हैं।

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय उदयपुर में अध्ययनरत बालिकाओं का उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक – 1.52 है। यह मान ऋणात्मक है। उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक का ऋणात्मक मान यह दर्शाता है कि बालिकाएं किस कार्य को पूरा करने के लिए निर्धारित लक्ष्य, वास्तविक उपलब्धि से अधिक है। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि ये बालिकाएं अपने प्रयास के लक्ष्य को छू नहीं पाती है।

इसी प्रकार लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक **(G.D.S.)** एवं उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक **(A.D.S.)** मध्यमानों से स्पष्ट होता है कि बालिकाएं अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गम्भीर प्रयास नहीं करती लेकिन महत्वाकांक्षा सदैव उच्च रखती है तथा इनकी आकांक्षाएं वास्तविक उपलब्धि से उच्च है।

लक्ष्य तक पहुंचने वाले प्रयासों **(N.T.R.S.)** का मध्यमान 5.25 प्राप्त हुआ जो कि बालिकाएं लक्ष्य तक पहुंचने वाले प्रयास ठीक है।

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय राजसमन्द में अध्ययनरत बालिकाओं के आंकाक्षा स्तर का पता लगाना।

आरेख संख्या 3 :कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय राजसमन्द में अध्ययनरत बालिकाओं के आंकाक्षा स्तर

	N	लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक (G.D.S.)	उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक (A.D.S.)	लक्ष्य पहुंचने वाले प्रयास (N.T.R.S.)
राजसमंद		2.35	-1.37	5.34

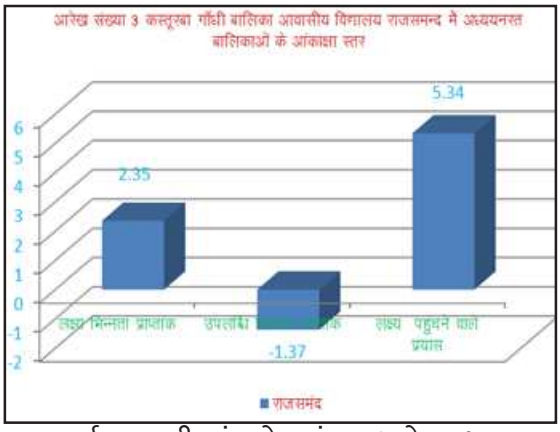

व्याख्या : उपर्युक्त सारणी एवं आरेख संख्या 3 के आधार पर कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय राजसमन्द में अध्ययनरत बालिकाओं का भिन्नता प्राप्तांक 2.35 है। यह मान धनात्मक है। यह इस बात को निर्दिष्ट करता है बालिकाओं की आकांक्षाएं अपने पूर्व प्रयास से उच्च है। बालिकाएं कोई भी कार्य करने से पहले, अपना लक्ष्य निर्धारित करना पसंद करती हैं।

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय राजसमन्द में अध्ययनरत बालिकाओं का उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक – 1.37 है। यह मान ऋणात्मक है। उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक का ऋणात्मक मान यह दर्शाता है कि बालिकाएं किस कार्य को पूरा करने के लिए निर्धारित लक्ष्य, वास्तविक उपलब्धि से अधिक है। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि ये बालिकाएं अपने प्रयास के लक्ष्य को छू नहीं पाती है।

इसी प्रकार लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक **(G.D.S.)** एवं उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक **(A.D.S.)** मध्यमानों से स्पष्ट होता है कि बालिकाएं अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गम्भीर प्रयास नहीं करती लेकिन महत्वाकांक्षा सदैव उच्च रखती है तथा इनकी आकांक्षाएं वास्तविक उपलब्धि से उच्च है।

लक्ष्य तक पहुंचने वाले प्रयासों **(N.T.R.S.)** का मध्यमान 5.34 प्राप्त हुआ जो कि बालिकाएं लक्ष्य तक पहुंचने वाले प्रयास ठीक है।

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय डूंगरपुर में अध्ययनरत बालिकाओं के आंकाक्षा स्तर का पता लगाना।

सारणी संख्या 4: कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय डूंगरपुर में अध्ययनरत बालिकाओं के आंकाक्षा स्तर

	N	लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक (G.D.S.)	उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक (A.D.S.)	लक्ष्य पहुंचने वाले प्रयास (N.T.R.S.)
डूंगरपुर		2.27	-1.33	5.10

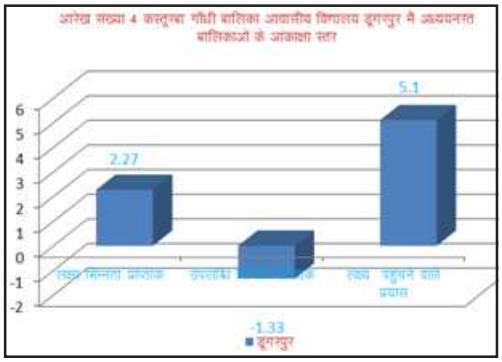

व्याख्या : उपर्युक्त सारणी एवं आरेख संख्या 4 के आधार पर कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय डूंगरपुर में अध्ययनरत बालिकाओं का भिन्नता प्राप्तांक 2.27 है। यह मान धनात्मक है। यह इस बात को निर्दिष्ट करता है बालिकाओं की आकांक्षाएं अपने पूर्व प्रयास से उच्च है। बालिकाएं कोई भी कार्य करने से पहले, अपना लक्ष्य निर्धारित करना पसंद करती हैं।

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय डूंगरपुर में अध्ययनरत बालिकाओं का उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक – 1.33 है। यह मान ऋणात्मक है। उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक का ऋणात्मक मान यह दर्शाता है कि बालिकाएं किस कार्य को पूरा करने के लिए निर्धारित लक्ष्य, वास्तविक उपलब्धि से अधिक है। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि ये बालिकाएं अपने प्रयास के लक्ष्य को छू नहीं पाती है।

इसी प्रकार लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक **(G.D.S.)** एवं उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक **(A.D.S.)** मध्यमानों से स्पष्ट होता है कि बालिकाएं अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गम्भीर प्रयास नहीं करती लेकिन महत्वाकांक्षा सदैव उच्च रखती है तथा इनकी आकांक्षाएं वास्तविक उपलब्धि से उच्च है।

लक्ष्य तक पहुंचने वाले प्रयासों **(N.T.R.S.)** का मध्यमान 5.10 प्राप्त हुआ जो कि बालिकाएं लक्ष्य तक पहुंचने वाले प्रयास ठीक है।

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय बांसवाड़ा में अध्ययनरत बालिकाओं के आंकाक्षा स्तर का पता लगाना।

सारणी संख्या : 5: कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय बांसवाड़ा में अध्ययनरत बालिकाओं के आंकाक्षा स्तर

	N	लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक (G.D.S.)	उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक (A.D.S.)	लक्ष्य पहुंचने वाले प्रयास (N.T.R.S.)
बांसवाड़ा		2.22	–1.50	5.30

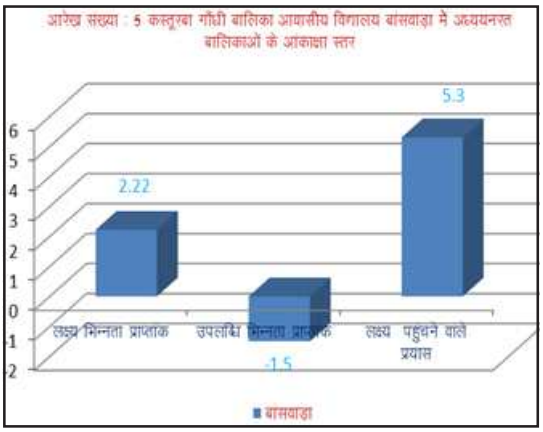

व्याख्या : उपर्युक्त सारणी एवं आरेख संख्या 5 के आधार पर कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय बांसवाड़ा में अध्ययनरत बालिकाओं का भिन्नता प्राप्तांक 2.22 है। यह मान धनात्मक है। यह इस बात को निर्दिष्ट करता है बालिकाओं की आकांक्षाएं अपने पूर्व प्रयास से उच्च है। बालिकाएं कोई भी कार्य करने से पहले, अपना लक्ष्य निर्धारित करना पसंद करती हैं।

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय बांसवाड़ा में अध्ययनरत बालिकाओं का उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक – 1.50 है। यह मान ऋणात्मक है। उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक का ऋणात्मक मान यह दर्शाता है कि बालिकाएं किस कार्य को पूरा करने के लिए निर्धारित लक्ष्य, वास्तविक उपलब्धि से अधिक है। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि ये बालिकाएं अपने प्रयास के लक्ष्य को छू नहीं पाती है।

इसी प्रकार लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक **(G.D.S.)** एवं उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक **(A.D.S.)** मध्यमानों से स्पष्ट होता है कि बालिकाएं अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गम्भीर प्रयास नहीं करती लेकिन महत्वाकांक्षा सदैव उच्च रखती है तथा इनकी आकांक्षाएं वास्तविक उपलब्धि से उच्च है।

लक्ष्य तक पहुंचने वाले प्रयासों **(N.T.R.S.)** का मध्यमान 5.30 प्राप्त हुआ जो कि बालिकाएं लक्ष्य तक पहुंचने वाले प्रयास ठीक है।

शोध निष्कर्ष :

1. कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत समग्र बालिकाओं के आंकाक्षा स्तर का पता लगाना।

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय की बालिकाओं से निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में अधिक प्रयास करती है। निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाली बालिकाओं की आकांक्षा स्तर की आवृति अधिक है।

2. कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय उदयपुर में अध्ययनरत बालिकाओं के आंकाक्षा स्तर का पता लगाना।

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय उदयपुर में अध्ययनरत बालिकाओं का भिन्नता प्राप्तांक 2.47 है। यह मान धनात्मक है। यह इस बात को निर्दिष्ट करता है बालिकाओं की आकांक्षाएं अपने पूर्व प्रयास से उच्च है। बालिकाएं कोई भी कार्य करने से पहले, अपना लक्ष्य निर्धारित करना पसंद करती हैं।

3. कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय राजसमन्द में अध्ययनरत बालिकाओं के आंकाक्षा स्तर का पता लगाना।

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय राजसमन्द में अध्ययनरत बालिकाओं का भिन्नता प्राप्तांक 2.35 है। यह मान धनात्मक है। यह इस बात को निर्दिष्ट करता है बालिकाओं की आकांक्षाएं अपने पूर्व प्रयास से उच्च है। बालिकाएं कोई भी कार्य करने से पहले, अपना लक्ष्य निर्धारित करना पसंद करती हैं।

4. कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय डूंगरपुर में अध्ययनरत बालिकाओं के आंकाक्षा स्तर का पता लगाना।

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय डूंगरपुर में अध्ययनरत बालिकाओं का भिन्नता प्राप्तांक 2.27 है। यह मान धनात्मक है। यह इस बात को निर्दिष्ट करता है बालिकाओं की आकांक्षाएं अपने पूर्व प्रयास से उच्च है। बालिकाएं कोई भी कार्य करने से पहले, अपना लक्ष्य निर्धारित करना पसंद करती हैं।

5. कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय बांसवाड़ा में अध्ययनरत बालिकाओं के आंकाक्षा स्तर का पता लगाना।

कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय बांसवाड़ा में अध्ययनरत बालिकाओं का भिन्नता प्राप्तांक 2.22 है। यह मान धनात्मक है। यह इस बात को निर्दिष्ट करता है बालिकाओं की आकांक्षाएं अपने पूर्व प्रयास से उच्च है। बालिकाएं कोई भी कार्य करने से पहले, अपना लक्ष्य निर्धारित करना पसंद करती हैं।

शैक्षिक निहितार्थ : प्रस्तुत शोध कार्य **कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं**, प्राचार्यों, शिक्षकों, वार्डन, अभिभावकों, के लिए उपयोगी है। जिनका विस्तृत विवरण इस प्रकार है :–

1. प्राचार्यों के लिए :– कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय में

अध्ययनरत बालिकाओं की प्राचार्य शिक्षा के गुणात्मक विकास हेतु कार्यक्रम आयोजित करावे। कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं की शिक्षण व आवास संबंधी सुविधा से अधिकतम अध्ययनरत छात्राएं लाभान्वित हांगीं। शिक्षा का स्तर बढ़ाने हेतु शिक्षण की नई तकनीकी व प्रविधियों की उपलबधता छात्राओं को करावें।

2. शिक्षक के लिए :- **कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं** के शिक्षकों को नवीन तकनीकी के ज्ञान हेतु कार्यशालाएँ आयोजित करनी चाहिए, जिससे शिक्षा के उन्नयन स्तर हेतु कक्षा-कक्ष में शिक्षण में उपयोग कर छात्राओं को नवीनतम शिक्षण तकनीक के माध्यम शिक्षण को आसान व आकर्षक बना सके।

3. वार्डन के लिए :- कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं में वार्डन के साथ वार्डन सहायक की नियुक्ति की जाए, जिससे वार्डन का कार्यभार कम तथा अवकाश पर जाने में समस्या उत्पन्न नहीं हो। सरकार द्वारा प्रदत्ता सुविधाओं को छात्राओं को लाभान्वित करने में सहायता मिलती है।

4. छात्रों के लिए :- **कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं** में शिक्षक, अनुदेशक तथा कार्यालय की नियुक्ति निम्नानुसार हो।

- जिससे छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो सके।
- छात्राओं की शैक्षिक व सहशैक्षिक उपलब्धियाँ हो सके।
- छात्राओं को कम्प्यूटर व तकनीकी का अधिक से अधिक ज्ञान दे।

लाभान्वित कर सके, जिससे छात्रों का वैयक्तिक व शैक्षिक जीवन स्तर उन्नयन हो सके।

5. अभिभावाकों के लिए :- कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं में अध्ययनरनत् विद्यार्थियों के अभिभावक समय-समय पर विद्यालय प्रशासन से छात्राओं के शैक्षिक व सहशैक्षिक उपलब्धि के बारे में पता करें। विद्यालय प्रशासन से छात्राओं की शैक्षिक व सहशैक्षिक उपलब्धि उन्नयन हेतु चर्चा विचार-विमर्श करके उहयोग प्रदान करें।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1 Joshi, Mohan C.(1964):"A factorial study of the adjustment, Indian psychological review, Vol I.
2 Tallent, Norman (1978):Psychology of adjustment understanding ourselves and others, D Van Nostrand Company, New York.
3 Shrimali, P.L.(1961):A study of the adjustment problems of pupil teachers Journal of education and psychology, Vol. 9, April, 1961.
4 Shaffer L.F. (1936): The psychology of adjustment, New York, Houghton, Mifflin 1936.
5 Shaffer, and Shofen (1956) :The psychology of adjustment, Boston, Houghton Mifflin Co.
6 Mohammad Yunus: A study of adjustment and values of teachers of intermediate colleges of Bulandshar in U.P., C.I.E., Delhi, 1970.
7 Mangal, S.K. (1984):Dimensions of teacher adjustment, Vishal publications, university campus, Kurukshetra.
8 Joshi, Mohan C.(1964):"A factorial study of the adjustment, Indian psychological review, Vol I.
9 त्रिपाठी, मधुसूदन : शिक्षण अधिगम की मनोवैज्ञानिक पद्धति, 2007, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
10 सरोज आनन्द एवं सुमनलता(2000):छात्रों के प्रत्यक्षीकृत माता-पिता के व्यवहार एवं सामाजिक आर्थिक स्थिति का अध्ययन किया।
11 पाठक, डॉ. आर.पी.,पाण्डेय अमिता, 2012 : शिक्षा में अनुसंधान एवं सांख्यिकी, कनिष्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
12 गोयल, स्वामी प्यारी(2002):किशोर बालिकाओं के मूल्यों, सुरक्षा की भावना तथा उनकी शैक्षिक उपलब्धि से सम्बन्ध का अध्ययन किया।
13 नजात, सुलेमान(2002):पूर्व प्राथमिक विद्यालय के बालकों पर घरेलू वातावरण के प्रभाव का अध्ययन किया।
14 कपिल, एच.के. (2006):'साँख्यिकी के मूल तत्व', विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
15 ढौंडियाल, एस.एन. फाटक, अरविन्द बी.(1972):शैक्षिक अनुसंधान का विधिशास्त्र, जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
16 ढौंडियाल, एस.एन. फाटक, अरविन्द बी.(2003):शैक्षिक अनुसंधान का विधिशास्त्र, जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
17 रायजादा, बी. एस.1997 : शिक्षा में अनुसंधान के आवश्यक तत्व, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
18 भटनागर, आर.पी. एवं भटनागर, मिनाक्षी(2008):शिक्षा अनुसंधान, मेरठ, आर. लाल बुक डिपो।
19. सुखिया एस. पी. मेहरोत्रा, आर. एन. (1970):'शैक्षिक अनुसधान के मूल तत्व' विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
20. अग्निहोत्री, रविन्द्र (2006):आधुनिक भारतीय शिक्षा की समस्याएँ एवं समाधान, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
21. अग्रवाल वाय.पी. (2020): स्टेटिकल मेथड स्टर्लिंग पब्लिकेशन प्रा.लि.।
22. अब्राहम, जेरी (2006):गाइडेन्स एण्ड काउंसलिंग फॉर टीचर सरूप एण्ड सन्स पब्लिकेशर एज्युकेशन, दिल्ली।
23. अस्थाना, डॉ. विपिन (2004): मनोविज्ञान और शिक्षा में सांख्यिकी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
24. कपिल, एच.के. (2002):अनुसंधान विधियाँ, अगरा राखी प्रकाशन
25. गणेशन, एन.एस. (2009):अनुसंधान प्राविधि सिद्धांत और प्रक्रिया, इलाहाबाद
26. गैंड डी. एन. तथा शर्मा आर.पी.:शैक्षिक एवं माध्यमिक शिक्षालय व्यवस्था (रामप्रसाद एण्ड सन्स आगरा।)
27. जायसवाल डॉ. सीताराम :भारतीय शिक्षा का विकास एवं समस्याएं, प्रकाशन केन्द्र लखनऊ
28. बेस्ट, जे. डब्ल्यू (1986):रिसर्च इन एज्युकेशन प्रिंटिग हॉल ऑफ इण्डिया, प्रा. लि. नई दिल्ली।
29. बेस्ट, जे. डब्ल्यू (1989):रिसर्च इन एज्युकेशन प्रिंटिग हॉल ऑफ इण्डिया प्रा. लि. नई दिल्ली, 1989